www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 26 | जौनपुर, शुक्रवार, 11 सितम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया–राहुल पर सुनवाई टली

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई टाल दी। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को तय की है। स्तातवत सवंकपदह के. जस्टिस मनोज जैन की एकल पीठ ने मामले को स्थगित करते हुए अगली तारीख निर्धारित की। ईडी ने राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश के 16 दिसंबर 2025 के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें अदालत ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दायर ईडी की अभियोजन शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। ट्रायल कोर्ट ने शिकायत को कानून के तहत सुनवाई योग्य नहीं माना था। इस मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस ओवरसीज प्रमुख सैम पित्रोदा, सुमन दुबे, सुनील भंडारी, यंग इंडियन और डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड को भी प्रस्तावित आरोपी बनाया गया है। ईडी का कहना है कि ट्रायल कोर्ट ने यह मानकर कानून की गलत व्याख्या की कि निजी शिकायत से उत्पन्न अनुसूचित अपराध के आधार पर पीएमएलए के तहत अभियोजन शिकायत दायर नहीं की जा सकती। इससे पहले ईडी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी थी कि यदि ट्रायल कोर्ट की व्याख्या को बरकरार रखा गया तो पीएमएलए षनिष्प्रभावी और बेमानीष हो जाएगा। ईडी ने अदालत से कहा कि सक्षम अदालत द्वारा निजी शिकायत पर लिया गया संज्ञान पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर से भी अधिक मजबूत आधार रखता है। एजेंसी का तर्क है कि आपराधिक कानून की प्रक्रिया पुलिस जांच या मजिस्ट्रेट के समक्ष निजी शिकायत, दोनों माध्यमों से शुरू की जा सकती है। इसलिए विशेष अदालत केवल इसी आधार पर अभियोजन शिकायत खारिज नहीं कर सकती थी। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा था कि मामला विचारणीय है।

पीएम मोदी ने साझा किया संस्कृत सुभाषित, कहा- सज्जनों की संगति से मजबूत होते हैं संस्कार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर सुभाषित संग्रह 'सुभाषितरत्नभाण्डागारम' का एक संस्कृत श्लोक साझा किया। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में दुनियाभर के नेता ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली में जुटेंगे और उन्हें पूर्ण विश्वास है कि सम्मेलन में विश्व कल्याण की कामना के साथ विभिन्न मुद्दों पर सकारात्मक और सार्थक चर्चा होगी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए श्लोक साझा किया, "सद्भिरेव सहासीत सद्भिः कुर्वीत सङ्गतिम्। सद्भिर्विवादं मैत्रीं च नासद्भिः किंचिदाचरेत" इस सुभाषित में सज्जन लोगों की संगति करने, उनके साथ विचार–विमर्श और मैत्रीपूर्ण व्यवहार रखने तथा दुष्ट या बुरे स्वभाव वाले लोगों से दूर रहने की सीख दी गई है। श्लोक

का भावार्थ है कि मनुष्य को हमेशा अच्छे और सज्जन लोगों के बीच रहना चाहिए और उन्हीं की संगति करनी चाहिए। सज्जनों के साथ संवाद और मित्रता से आपसी सद्भाव, शांति और सहयोग मजबूत होता है। यह सुभाषित इस बात पर भी जोर देता है कि व्यक्ति जिन लोगों के साथ रहता है, उनकी सोच और आचरण का उसके व्यक्तित्व पर प्रभाव पड़ता है। अच्छे लोगों की संगति से अच्छे संस्कार, विचार और नैतिकता विकसित होती है। सुभाषित में यह संदेश भी मिलता है कि किसी सज्जन या ज्ञानी व्यक्ति से मतभेद या विवाद हो जाए, तो भी उसके विचारों से कुछ सीखने का अवसर मिल सकता है, क्योंकि उसका दृष्टिकोण विवेकपूर्ण होता है। इसके विपरीत, दुष्ट प्रवृत्ति वाले व्यक्ति के साथ अनावश्यक विवाद मानसिक शांति भंग कर सकता है और उससे कोई सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना कम होती है। श्लोक में दुष्ट या बुरे स्वभाव वाले लोगों की संगति को नुकसानदायक बताया गया है। ऐसे लोगों से मित्रता या किसी भी तरह का अनावश्यक संपर्क व्यक्ति के लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

ब्रिक्स सम्मेलन पर गृह मंत्री शाह रूभारत में वैश्विक नेताओं का स्वागत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दिल्ली में होने वाले हाई–प्रोफाइल ब्रिक्स (ब्रिक्स) शिखर सम्मेलन के लिए आ रहे वैश्विक नेताओं का स्वागत किया। यह सम्मेलन राष्ट्रीय राजधानी में 12–13 सितंबर को आयोजित हो रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि ब्रिक्स समिट पर दुनिया भर की मीडिया की नजर है, क्योंकि जीडीपी के आंकड़े और आर्थिक गतिविधियां पश्चिम से दक्षिण एशिया की ओर बढ़ रही हैं। इस समिट में दुनिया भर के नेता सदस्य देशों के बीच सहयोग और तालमेल बढ़ाने और बेहतर दुनिया के लिए समृद्धि को बढ़ावा देने पर चर्चा करेंगे। गृह मंत्री शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, षब्रिक्स 2026 के लिए मंच तैयार है! उन्होंने दो दिन तक चलने वाले इस ग्लोबल समिट की मेजबानी के लिए तैयार सजा–धजा भारत मंडपमश का एक वीडियो भी शेयर किया। गृह मंत्री शाह ने आगे लिखा, दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते, भारत ग्लोबल नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत करता है ताकि हम अपने संबंधों को

मजबूत करने, सहयोग बढ़ाने और बेहतर दुनिया के लिए साझा समृद्धि को बढ़ावा देने पर चर्चा कर सकें और कदम उठा सकें। हम सब मिलकर एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेंगे।ष दो दिन तक चलने वाले इस समिट में दुनिया से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा करने के लिए ग्यारह उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं (ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, भारत, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और यूएई) एक मंच पर आ रही हैं।

हम सरकार में हैं, सिर्फ आरोप लगाना काफी नहीं – चिराग पासवान

पटना, (एजेंसी)। बिहार में बाढ़ के हालात पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि लोग मुश्किलों का सामना कर रहे हैं और सरकार–प्रशासन की ओर से रहने, खाने, चारा और तिरपाल समेत हर संभव मदद दी जा रही है। उन्होंने कहा कि हर साल बिहार का आधा हिस्सा बाढ़ से प्रभावित होता है और आधा सूखे से जूझता है। ऐसे में अब बाढ़ के पानी को दूसरी तरफ मोड़ने, नहरें और मजबूत तटबंध बनाने जैसे स्थायी समाधान पर मिलकर काम करने की जरूरत है। बिहार में बाढ़ के हालात पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, लोगों को मुश्किलों और परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार, प्रशासन और हम, सांसद के तौर पर, अपनी–अपनी तरफ से लोगों को ज्यादा से ज्यादा मदद देने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें उनके रहने, खाने, जानवरों के चारे, तिरपाल और जो कुछ भी उन्हें चाहिए, उसके लिए दूसरे इंतजाम शामिल हैं।ष नए कानून देखें उन्होंने आगे कहा, यह कोई गलत बात नहीं है, और मैंने भी कई बार यह मुद्दा उठाया है कि हर साल बिहार का आधा हिस्सा बाढ़ से प्रभावित होता है जबकि बाकी आधा हिस्सा सूखे से जूझता है। अब हमें मिलकर एक समाधान पर काम करने की जरूरत है, जो है बाढ़ के पानी को दूसरी तरफ मोड़ना।ष केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमें ऐसे इलाकों में पानी मोड़ने के लिए नहरें बनानी होंगी और पानी के फैलाव को कंट्रोल करने के लिए तटबंध बनाने होंगे। हमें क्वालिटी पर भी ध्यान देने की जरूरत है।

सीएम भूपेंद्र पटेल ने विसावदर बाईपास रोड के पहले चरण के लिए 20 करोड़ रुपए मंजूर किए

गांधीनगर, (एजेंसी)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने जूनागढ़ जिले में विसावदर के आसपास प्रस्तावित बाईपास रोड के काम के पहले चरण के लिए 20 करोड़ रुपए मंजूर किए। इसका मकसद शहर से गुजरने वाले ट्रैफिक को आसान बनाना है। राज्य सरकार के अनुसार, मंजूर की गई राशि का इस्तेमाल निर्माण–पूर्व गतिविधियों के लिए किया जाएगा, जिसमें जमीन का अधिग्रहण, यूटिलिटीज (जैसे बिजली–पानी की लाइनें) को हटाना और डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करना शामिल है। स्तातवत सवंकपदह के. प्रस्तावित बाईपास, बगासरा–जेतपुर स्टेट हाईवे को विसावदर–सतधार–सासन गिर स्टेट हाईवे से जोड़ेगा, जिससे विसावदर से गुजरने वाले ट्रैफिक के

लिए एक वैकल्पिक रास्ता मिल जाएगा। यह मंजूरी स्थानीय पदाधिकारियों और निवासियों की उन मांगों के बाद मिली है, जिनमें शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या को हल करने के लिए बाईपास बनाने की बात कही गई थी। मंजूर की गई राशि प्रोजेक्ट के पहले चरण के लिए सड़क और भवन विभाग को आवंटित की गई है। विसावदर एक महत्वपूर्ण सड़क नेटवर्क पर स्थित है, जहां अमरेली को सोमनाथ से जोड़ने वाला मुख्य मार्ग शहर से होकर गुजरता है। बगासरा–जेतपुर, धारी– सावरकुंडला और विसावदर–सतधार के साथ–साथ जूनागढ़–मेंदरडा–केशोद स्टेट हाईवे भी विसावदर से होकर गुजरते हैं। यह शहर कई तीर्थ और पर्यटन स्थलों से भी घिरा हुआ है, जहां बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। इनमें सतधार तीर्थ स्थल, सासन गिर फॉरेस्ट, प्राचीन कनकेश्वरी मंदिर, रूपाल में धाम रामपारा, रामपारा में नागबाई मंदिर और सरसाई में संत श्री रोहिदास मंदिर शामिल हैं। सरकार ने कहा कि इन मार्गों से होने वाले ट्रैफिक और पास के धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर जाने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए बाईपास के प्रस्ताव पर विचार किया गया। 20 करोड़ रुपए की मंजूरी से अधिकारी बाईपास का निर्माण शुरू होने से पहले जरूरी शुरुआती गतिविधियां कर सकेंगे।

दिल्ली में हॉस्टल संकट पर एलजी ने लिया बड़ा एक्शन, आशीष सूद की अध्यक्षता में बनी 20 सदस्यीय जांच समिति

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने गुरुवार को उपराज्यपाल टी.एस. संधू के उस फैसले का स्वागत किया, जिसमें सत्य निकेतन में हाल ही में पीजी बिल्डिंग गिरने की घटना के बाद छात्रों के रहने की व्यवस्था और सुरक्षा पर विचार करने के लिए उनकी अध्यक्षता में एक समिति बनाने का निर्णय लिया गया है। सूद की अध्यक्षता वाली हाई–पावर्ड कमेटी को राष्ट्रीय राजधानी में हॉस्टल की कमी का आकलन करने और छात्रों, खासकर दूसरे राज्यों से शहर आने वाले छात्रों के लिए सुरक्षित आवास के नए विकल्प तलाशने का काम सौंपा गया है। 20 सदस्यों वाली इस कमेटी में दिल्ली के मुख्य सचिव, पुलिस कमिश्नर, एमसीडी कमिश्नर, डीडीए के वाइस–चेयरपर्सन, चीफ फायर ऑफिसर, दिल्ली यूनिवर्सिटी के वाइस–चांसलर, अन्य यूनिवर्सिटीज के वाइस–चांसलर और सरकारी अधिकारी शामिल हैं। एक्स पर एक

पोस्ट में, सूद ने कमेटी के गठन का स्वागत किया और कहा, षदिल्ली के छात्रों के लिए सुरक्षित, किफायती और पर्याप्त आवास सुनिश्चित करना एक मुख्य प्राथमिकता है। मैं माननीय उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू द्वारा छात्र आवास और सुरक्षा पर एक हाई–पावर्ड कमेटी के गठन का स्वागत करता हूं।ष सूद ने कहा, ष्कमेटी हॉस्टल की कमी का आकलन करेगी, यूनिवर्सिटीज और सरकारी एजेंसियों के माध्यम से आवास के नए विकल्प तलाशेगी, उपयुक्त सरकारी संपत्तियों की पहचान करेगी और दिल्ली भर में छात्रों के लिए सुरक्षित, किफायती और अच्छी तरह से विनियमित आवास की दिशा में काम करेगी। हम सब मिलकर दिल्ली में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए एक मजबूत सपोर्ट सिस्टम बनाएंगे।ष दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत गिरने की दुखद घटना, जिसमें सात लोगों की जान चली गई थी, के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शहर की तैयारी और बड़ी आपात स्थितियों के दौरान प्रतिक्रिया को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी के लिए एक समर्पित राज्य आपदा आपातकालीन राहत बल (एसडीईआरएफ) स्थापित करने की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू कर दी है।

देश में फरवरी से राजमार्गों पर बैरियर–फ्री टोल शुरू हो जाएंगे – नितिन गडकरी

मुंबई, (एजेंसी)। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि भारत में फरवरी से राष्ट्रीय राजमार्गों पर बैरियर–फ्री टोल शुरू हो जाएंगे। इससे वाहन चालकों को टोल प्लाजा पर टोल देने के लिए रुकना नहीं पड़ेगा। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 में अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार अब फास्टैग को गाड़ी की नंबर–प्लेट पहचानने वाली तकनीक के साथ जोड़ने पर विचार कर रही है। वे टोल वसूलने के ऐसे सिस्टम की ओर बढ़ रहे हैं जो ज्यादा टेक्नोलॉजी पर आधारित होगा और जिससे टोल कलेक्शन में भी काफी बढ़ोतरी होगी। गडकरी ने कहा, ष्हम ऐसा टोल सिस्टम लागू करेंगे, जिनमें नंबर प्लेट और फास्टैग दोनों का इस्तेमाल होगा, उससे टोल आय में सालाना 10,000 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि फास्टैग लागू होने के बाद टोल प्लाजा पर इंतजार का समय, जो कभी 12 मिनट और कुछ मामलों में 30 मिनट तक होता था, अब 80–90

प्रतिशत तक कम हो गया है। सरकार अब बाकी बची देरी को खत्म करने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित सिस्टम से फास्टैग डेटा और गाड़ियों की नंबर प्लेट, दोनों का इस्तेमाल करके टोल कलेक्शन को मजबूत करने की उम्मीद है, जिससे टोल वाले रास्तों पर गाड़ियों की पहचान और ट्रैकिंग बेहतर होगी। गडकरी ने कहा कि फास्टैग ने इंतजार का समय काफी कम करके और टोल प्लाजा पर कैश और छुट्टे पैसे की जरूरत को खत्म करके टोल कलेक्शन के तरीके को पहले ही बदल दिया है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम और अवसर दोनों का दौर – जयशंकर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत की अध्यक्षता में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 से ठीक पहले ब्रिक्स बिजनेस फोरम के उद्घाटन सत्र का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने दुनिया की अर्थव्यवस्था के जोखिम और अवसर के दौर में सही समय पर प्रभावी कदम उठाने की जरूरत पर जोर दिया। अपने संबोधन की शुरुआत में उन्होंने मौजूद सभी मेहमानों को आभार जताते हुए कहा कि आप सभी के साथ शामिल होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। यह कार्यक्रम ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से ठीक पहले आयोजित किया जा रहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि यह वर्ष खास महत्व रखता है क्योंकि हम ब्रिक्स सहयोग के 20 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इन 20 वर्षों में ब्रिक्स ने काफी प्रगति की है। इसके सदस्य देशों की संख्या बढ़ी है, इसके कार्यक्षेत्र का विस्तार हुआ है और सहयोग के नए तरीके विकसित हुए हैं। भारत की अध्यक्षता के दौरान हमने लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता पर जोर देते हुए इस विकास की यात्रा को आगे बढ़ाने की कोशिश की है। आज की परिस्थितियों में ये प्राथमिकताएं हमारे देशों के लिए पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। जयशंकर ने कहा कि हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब दुनिया की राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था बड़े बदलावों के दौर से गुजर रही है। अस्थिरता, अनिश्चितता और जटिलताएं आज की दुनिया की प्रमुख पहचान बन गई हैं। हम भू–राजनीतिक संघर्षों, महामारी और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी ।

अनपढ़ अपराधी के हाथों में नहीं सौंपी जा सकती बिहार की कमान – प्रशांत किशोर

बिहार, (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बीच छिड़ी जुबानी जंग ने राज्य के राजनीतिक तापमान को बढ़ा दिया है। उत्तरी बिहार के सहरसा जिले में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए उन्हें अनपढ़ अपराधी करार दिया और कहा कि ऐसे व्यक्ति के हाथों में राज्य का शासन नहीं सौंपा जा सकता। यह विवाद तब गहराया जब एक साक्षात्कार के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बांकीपुर के विधायक प्रशांत किशोर के लिए बेचारा शब्द का इस्तेमाल किया था। इस टिप्पणी पर तंज कसते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, सम्राट चौधरी का मुझे बेचारा कहना बिल्कुल सही है, क्योंकि मेरे पास उनके जैसे अनपढ़ अपराधी से बिहार को मुक्त कराने के लिए संघर्ष करने के अलावा और कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। चुनावी रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर ने स्पष्ट किया कि उनकी लड़ाई किसी व्यक्तिगत रंजिश का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह बिहार में बेहतर शासन और व्यवस्था परिवर्तन का संकल्प है। उन्होंने तर्क दिया कि जब सत्ता की बागडोर ऐसे प्रशासनिक अनुभवहीन और विवादित छवि वाले नेताओं के हाथों में होगी, तो राज्य के युवाओं का पलायन, बदहाल शिक्षा प्रणाली और आर्थिक

पिछड़ापन खत्म नहीं हो सकता। जन सुराज के बैनर तले बिहार के जिलों का दौरा कर रहे प्रशांत किशोर लगातार सत्तारूढ़ एनडीए और पारंपरिक राजनीतिक दलों पर हमलावर रहे हैं। सहरसा में दिया गया यह बयान केवल एक तीखी टिप्पणी नहीं है, बल्कि यह संकेत देता है कि आने वाले समय में जन सुराज पार्टी राज्य के मुख्य राजनीतिक चेहरों की कार्यशैली और योग्यता को सीधे जनता की अदालत में चुनौती देने की आक्रामक रणनीति पर काम कर रही है। जन सुराज के बैनर तले बिहार के जिलों का दौरा कर रहे प्रशांत किशोर लगातार सत्तारूढ़ एनडीए और पारंपरिक राजनीतिक दलों पर हमलावर रहे हैं। सहरसा में दिया गया यह बयान केवल एक तीखी टिप्पणी नहीं है, बल्कि यह संकेत देता है कि आने वाले समय में जन सुराज पार्टी राज्य के मुख्य राजनीतिक चेहरों की कार्यशैली और योग्यता को सीधे जनता की अदालत में चुनौती देने की आक्रामक रणनीति पर काम कर रही है।

संपादकीय

क्रय शक्ति और खपत पर आधारित

भारत में मजबूत होती के–शेप अर्थव्यवस्था में श्समृद्ध उपभोक्ताओंश्च की संख्या बढ़ना लाजिमी है। कोरोना काल के बाद समृद्धि का वितरण और गतिरुद्ध हुआ है। लग्जरी उपभोग का बढ़ना उसका ही परिणाम है। मार्केट एजेंसी नीलसन–आईक्यू की ताजा रिपोर्ट के इस अनुमान पर कुछ हलकों में सुखबोध देखने मिला है कि अगले दस साल में भारत श्समृद्ध उपभोक्ताओंश्च के मामले में चीन को पछाड़ देगा। इस अनुमान के मुताबिक 2036 में भारत में 10.8 करोड़ ऐसे उपभोक्ता होंगे, जबकि चीन में यह संख्या 10.3 करोड़ के करीब होगी। नीलसन ने इसे भारतीय बाजार में आ रहे बड़े बदलाव का संकेत माना है। उसने श्समृद्ध उपभोक्ताश्च उन्हें माना है जो औसतन प्रति दिन 90 डॉलर (लगभग 8,500 रुपये) से अधिक खर्च करते हैं। यानी नीलसन का यह आकलन व्यक्ति की संपत्ति या आय के अनुसार नहीं, बल्कि क्रय शक्ति और खपत पर आधारित है। इसके मुताबिक अभी भारत में ऐसे उपभोक्ताओं की संख्या लगभग 2.6 करोड़ है। यानी नीलसन का अनुमान सच होने के लिए जरूरी है कि अगले एक दशक में इस संख्या में सवा तीन गुणा बढ़ोतरी हो। भारत में मजबूत होती के–शेप अर्थव्यवस्था में चीजें इस ओर जाएंगी, यह अंदाजा लगाना उचित ही है। कोरोना काल के बाद अर्थव्यवस्था का यह रूप अधिक ठोस होता गया है, जिसमें धनी और गरीब तबकों के बीच का फासला बढ़ता चला जाता है। इस विषमता की तस्दीक तमाम अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों से हुई है। इससे बाजार में महंगी, लग्जरी चीजों की मांग बढ़ी है, जबकि आम उपभोग की स्थिति ठहराव का शिकार रही है। पिछले साल एक अध्ययन रिपोर्ट में बताया गया कि देश में एक अरब से अधिक लोगों के पास बेहद जरूरी चीजों के अलावा किसी और खरीदारी की शक्ति नहीं है। नीलसन की रिपोर्ट से भी यही संकेत मिलता है कि भारत में महंगी कारों, इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं, पर्यटन, प्रीमियम उपभोग, लग्जरी वस्तुओं का बाजार और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों का विस्तार होगा। यह बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए अच्छी खबर है। बहरहाल, ऐसा होने की शर्त यह है कि देश में आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिरता रहे और शासक वर्ग सामाजिक असंतोष को नियंत्रण में रखने में सक्षम बना रहे। बढ़ती गैर–बराबरी के साथ ऐसा कर पाना अक्सर आसान नहीं होता। इसीलिए इस रिपोर्टों के बारे में भी कहा जाएगा कि इसकी अहमियत फिलहाल तात्कालिक सुखबोध तक सीमित है।

हालिया टकराव के बाद ईरान और खाड़ी देशों का ब्रिक्स में होगा आमना-सामना

नीरज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से दुनिया को यह संदेश देते रहे हैं कि "यह युद्ध का युग नहीं है।" अब यही संदेश उनकी विदेश नीति की सबसे बड़ी कसौटी बन गया

है। एक तरफ रूस–यूक्रेन युद्ध अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है, दूसरी ओर पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच टकराव ने खाड़ी देशों को भी सीधे संकट में डाल दिया है। ऐसे समय में दिल्ली में होने वाला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल आर्थिक सहयोग का मंच नहीं, बल्कि भारत की कूटनीतिक क्षमता का बड़ा प्रदर्शन भी बनने जा रहा है। ब्रिक्स में रूस, चीन, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे परस्पर विरोधी हितों वाले देश एक साथ मौजूद होंगे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत आने से एक बार फिर पूरी दुनिया की नजर मोदी–पुतिन मुलाकात पर है। हाल ही में एससीओ सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से साफ कहा था कि अब युद्ध को आगे बढ़ाने की बजाय उसे खत्म करने का रास्ता तलाशना चाहिए। भारत और रूस के दशकों पुराने मजबूत रिश्तों के बीच मोदी का यह संदेश काफी महत्वपूर्ण है। अब ब्रिक्स सम्मेलन में मोदी के पास एक और मौका होगा कि वह रूस के साथ अपनी दोस्ती कायम रखते हुए पुतिन को बातचीत और शांति की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। हम आपको यह भी बता दें कि इस दिशा में भारत केवल रूस से बात नहीं कर रहा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर हाल में कीव गए और यूक्रेनी नेतृत्व के साथ बातचीत की थी। उन्होंने स्पष्ट किया था कि भारत रूस और यूक्रेन दोनों के संपर्क में है और युद्ध को समाप्त करने में उपयोगी विचारों पर काम करने के लिए तैयार है। यानी मोदी सरकार की रणनीति किसी एक पक्ष को चुनने की नहीं, बल्कि दोनों पक्षों से संवाद बनाए रखकर शांति की गुंजाइश बचाए रखने की है। वहीं पश्चिम एशिया में यही नीति और भी कठिन है। हालिया संघर्ष के दौरान ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के क्रम में बहरीन, कुवैत, कतर, ओमान, जॉर्डन और दूसरे देशों को भी अपनी सैन्य कार्रवाई के दायरे में ला दिया। ईरान का तर्क था कि वह अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना रहा है, लेकिन मिसाइल और ड्रोन उन देशों की संप्रभु सीमाओं के भीतर पहुंचे जहां ये ठिकाने मौजूद हैं। जुलाई में भी ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कार्रवाई जारी रखी। यहीं मोदी की कूटनीति की असली परीक्षा सामने आती है। युद्ध के बीच उन्होंने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से बातचीत की थी और साफ कहा था कि भारत सभी मुद्दों का समाधान संवाद और कूटनीति से चाहता है। साथ ही उन्होंने ऊर्जा और व्यापार के निर्बाध आवागमन तथा भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को भारत की प्राथमिकता बताया। दूसरी ओर उन्होंने यूएई, बहरीन, सऊदी अरब और कतर के नेताओं से अलग–अलग बातचीत कर उनके खिलाफ हुए हमलों की निंदा भी की थी। बहरीन के मामले में प्रधानमंत्री ने सीधे कहा था कि भारत हमलों की निंदा करता है और वहां के लोगों के साथ खड़ा हैय सऊदी अरब और यूएई के संदर्भ में भी उन्होंने संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन को गंभीरता से लिया था। यही संतुलन मोदी की विदेश नीति की ताकत है। ईरान से संबंध भी चाहिए और खाड़ी अरब देशों का भरोसा भीय रूस से रणनीतिक साझेदारी भी बचानी है और पश्चिम से आर्थिक–तकनीकी रिश्ते भी मजबूत करने हैं। भारत के लिए यह केवल प्रतिष्ठा का सवाल नहीं है। पश्चिम एशिया में करोड़ों भारतीयों के हित, ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री व्यापार और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा सीधे इससे जुड़ी है। मोदी ने ईरान से बातचीत में भी इसी व्यावहारिक प्राथमिकता को सामने रखा है। साथ ही इस पूरे समीकरण में चीन को अलग करके देखना भी संभव नहीं है। शी जिनपिंग की भारत यात्रा सात वर्ष बाद हो रही है और दोनों देशों के बीच रिश्तों में सावधानी के साथ सुधार की कोशिश दिखाई दे रही है। सीमा पर तनाव कम करना, आर्थिक रिश्तों को नियंत्रित तरीके से आगे बढ़ाना और प्रतिस्पर्धा के बावजूद संवाद बनाए रखना भारत की रणनीतिक स्वायत्तता के लिए जरूरी है। इसलिए दिल्ली का ब्रिक्स सम्मेलन मोदी के लिए केवल शिखर सम्मेलन नहीं, बल्कि कूटनीतिक संतुलन का मंच है। एक ही मेज पर पुतिन, शी, पेजेश्कियान, सऊदी और यूएई नेतृत्व के बीच भारत यह दिखा सकता है कि रणनीतिक स्वायत्तता का अर्थ किसी खेमे से दूरी नहीं, बल्कि सभी से अपने हितों के आधार पर संवाद करने की क्षमता है। देखा जाये तो दुनिया आज अलग–अलग खेमों में बंटी हुई है। ऐसे समय में मोदी की कूटनीति की सबसे बड़ी ताकत यही है कि भारत किसी एक पक्ष के साथ खड़ा होने की बजाय सभी से संवाद बनाए रखता है। रूस से युद्ध खत्म करने की अपील हो, यूक्रेन से बातचीत, ईरान से संपर्क, खाड़ी देशों के साथ मजबूत रिश्ते, पश्चिम के साथ साझेदारी या चीन से संवाद, भारत हर मोर्चे पर अपने हितों को साधते हुए रिश्ते आगे बढ़ा रहा है। यही संतुलित कूटनीति भारत को इस उथल–पुथल भरी दुनिया में अपनी स्वतंत्र और मजबूत जगह बनाने में मदद कर रही है।

पहली ही परीक्षा में फेल हो गया मक्का पैक्ट, सऊदी पर तुर्किये होते ही छिप गयी मुनीर की सेना

नीरज

मक्का पैक्ट को बने अभी ज्यादा वक्त नहीं बीता, लेकिन उसकी पहली बड़ी परीक्षा ने ही इस रक्षा समझौते की असली ताकत पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सऊदी अरब पर हूती मिसाइलों और ड्रोन की बारिश हुई, दक्षिणी शहरों में नागरिक और आर्थिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया, ऊर्जा प्रतिष्ठानों में आग लगी और 73 लोग घायल हुए, लेकिन मैदान में दिखाई दी तो सिर्फ निंदा। पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ "पूरी एकजुटता" जताई, उसकी संप्रभुता की रक्षा के अधिकार का समर्थन किया और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हमलों की कड़ी निंदा की। मगर सवाल यह है कि जिस समझौते की बुनियाद ही इस सिद्धांत पर रखी गई है कि एक सदस्य पर हमला तीनों पर हमला माना जाएगा और मिलकर उसका जवाब दिया जाएगा, उसकी पहली अग्निपरीक्षा में बाकी दो साझेदारों की सामूहिक ताकत आखिर नजर क्यों नहीं आ रही? दुनिया देख रही है कि एक मंच पर बैठे तीन देशों में से एक पर संकट आया तो असीम मुनीर की सेना दुबक गयी। दुनिया देख रही है कि बड़े बड़े बिल्ले सीने पर टांग कर घूमने वाले मुनीर निंदा वाला बयान देने के लिए भी सामने नहीं आये और इस काम के लिए शहबाज शरीफ को आगे कर दिया। उल्लेखनीय है कि मक्का में पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने जिस संयुक्त रक्षा समझौते को औपचारिक रूप दिया था, उसका मूल सिद्धांत यही बताया गया था कि किसी एक सदस्य के खिलाफ आक्रामकता को तीनों की सुरक्षा के लिए खतरे के तौर पर देखा जाएगा। समझौते में सैन्य समन्वय, खुफिया सूचनाओं का आदान–प्रदान, रणनीतिक परामर्श और रक्षा योजना जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की बात है। लेकिन अब असली सवाल कागज पर लिखे सिद्धांतों का नहीं, उनके अमल का है। सऊदी अरब के अबहा, खमिस मुशैत, जाजान और नजरान में हूतियों के हमलों ने इस सवाल को और तीखा कर दिया है। सऊदी अधिकारियों के अनुसार हमलों में 73 लोग घायल हुए और महिलाओं तथा बच्चों के भी घायल होने की बात सामने आई। कई ऊर्जा प्रतिष्ठानों में आग लगी और कुछ जगहों पर संचालन अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। हूतियों ने हमलों की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया कि उन्होंने अबहा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, किंग खालिद एयर बेस और अरामको से जुड़े प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया रियाद ने इसे खतरनाक और गैर–जिम्मेदाराना उकसावे वाली कार्रवाई बताते हुए जवाब देने की चेतावनी दी है। सऊदी नेतृत्व का कहना है कि देश की संप्रभुता, नागरिकों और राष्ट्रीय संपत्तियों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। दूसरी ओर हूती इन हमलों को यमन में सऊदी समर्थित बलों की कार्रवाई का जवाब बता रहे हैं। उनका दावा है कि पिछले दिनों यमन के कई इलाकों में 120 से ज्यादा हवाई हमले हुए और एक जेल पर हमले में 11 लोगों की मौत हुई। यानी यह सिर्फ एकतरफा हमला नहीं, बल्कि तेजी से बढ़ता प्रतिशोध का चक्र है। यहीं पाकिस्तान पर सबसे बड़ा सवाल खड़ा होता है। इस्लामाबाद ने कहा कि वह सऊदी अरब की संप्रभुता और सुरक्षा के साथ खड़ा है। लेकिन क्या "निंदा" और "समर्थन" ही उस रक्षा समझौते की पूरी सीमा है, जिसके बारे में सामूहिक सुरक्षा और सामूहिक प्रतिरोध की बातें की गई थीं? अगर नहीं, तो पाकिस्तान की वास्तविक भूमिका क्या होगी? क्या वह सैन्य सहयोग करेगा, खुफिया सहायता देगा, हवाई सुरक्षा में मदद करेगा या केवल बयान जारी करता रहेगा? साथ ही सवाल सिर्फ पाकिस्तान का नहीं है। तुर्किये कहां है? जिस त्रिपक्षीय ढांचे को क्षेत्रीय स्थिरता और सामूहिक सुरक्षा का माध्यम बताया गया था, उसकी विश्वसनीयता तभी साबित होगी जब संकट के समय उसके सदस्य अपनी प्रतिबद्धताओं को व्यवहार में बदलें। सवाल उठता है कि अगर संकट के वक्त भी सैन्य गठबंधन केवल बयानबाजी तक सीमित रहे, तो उसकी विश्वसनीयता कितनी है? देखा जाये तो खतरा इसलिए भी बड़ा है क्योंकि हूती–सऊदी टकराव अकेला मोर्चा नहीं है। हूती लाल सागर और बाब–अल–मंदेब के आसपास समुद्री यातायात को निशाना बनाने की क्षमता पहले ही दिखा चुके हैं। जुलाई में उन्होंने सऊदी तेल टैंकरों पर हमले और रियाद के खिलाफ समुद्री नाकाबंदी की घोषणा की थी। दूसरी तरफ सऊदी समर्थित यमनी बल हूतियों के खिलाफ जवाबी अभियान चला रहे हैं। दक्षिण–पश्चिमी यमन में लड़ाई तेज होने से सैकड़ों लोगों के मारे जाने और हजारों के विस्थापित होने की खबरें हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि यह संघर्ष उस समय भड़क रहा है जब अमेरिका और ईरान के बीच रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर तनाव अलग मोर्चे पर चल रहा है। एक तरफ फारस की खाड़ी और होर्मुज, दूसरी तरफ लाल सागर और बाब–अल–मंदेब, दोनों समुद्री गलियारों पर संकट एक साथ गहराया तो इसका असर सिर्फ मध्य–पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा। सऊदी ऊर्जा ढांचे पर लगातार हमले वैश्विक तेल बाजार के लिए बड़ा झटका बन सकते हैं। शुरुआती हमलों के बाद ही कच्चे तेल की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया है। यदि रिफाइनरी, पाइपलाइन, प्रसंस्करण केंद्र या निर्यात ढांचा लगातार निशाने पर आया तो बाजार में वास्तविक सप्लाई पर असर हो सकता है। इसका असर पेट्रोल–डीजल से लेकर परिवहन, विनिर्माण और महंगाई तक पहुंच सकता है। भारत के लिए खतरा और सीधा है। खाड़ी से ऊर्जा आयात और लाल सागर से जुड़ा समुद्री व्यापार दोनों क्षेत्रीय स्थिरता पर निर्भर हैं। होर्मुज और लाल सागर दोनों बाधित हुए तो तेल आयात महंगा होगा, जहाजों को लंबा रास्ता अपनाना पड़ सकता है, बीमा और माल ढुलाई की लागत बढ़ सकती है और इसका असर भारतीय अर्थव्यवस्था तथा आम उपभोक्ता तक पहुंच सकता है। इस बीच, भारत ने हूती हमलों पर कड़ा रुख अपनाते हुए सऊदी अरब की संप्रभु जमीन पर हुए हमलों की निंदा की है, खासकर नागरिक और आर्थिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाए जाने को अस्वीकार्य बताया है। भारत ने साफ कहा कि इस तरह के हमले क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करने के साथ–साथ बाब–अल–मंदेब में नौवहन की स्वतंत्रता के लिए भी गंभीर खतरा हैं। यहां एक सवाल और उठता है कि क्या यह एक और मध्य–पूर्वी युद्ध की शुरुआत हो सकती

है? देखा जाये तो एक संभावना यह है कि सऊदी अरब सीमित जवाबी कार्रवाई करे और कूटनीति के जरिए स्थिति को नियंत्रित किया जाए। दूसरी संभावना है कि यमन का युद्ध फिर अपने पुराने खूनी दौर में लौट जाए। लेकिन सबसे भयावह स्थिति तब होगी जब ये अलग–अलग संघर्ष एक–दूसरे में मिल जाएं। अगर हूती सऊदी अरब पर हमले बढ़ाते हैं, रियाद बड़े सैन्य अभियान की ओर जाता है, अमेरिका–ईरान टकराव तेज होता है और लाल सागर में जहाजों पर हमले बढ़ते हैं, तो यमन, सऊदी अरब, ईरान और अमेरिका के अलग–अलग मोर्चे एक ही युद्धक्षेत्र में बदल सकते हैं। तब मक्का पैक्ट की असली परीक्षा भी होगी और उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी सामने आएगी। देखा जाये तो रक्षा समझौते की विश्वसनीयता केवल इस बात से तय नहीं होती कि संकट के बाद किसने कितनी कड़ी भाषा में बयान दिया। वह इस बात से तय होती है कि संकट आने पर कौन कितना आगे खड़ा हुआ। फिलहाल सऊदी अरब पर हमले जारी हैं, हूती जवाबी कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं और रियाद भी पीछे हटने के संकेत नहीं दे रहा। ऐसे में पाकिस्तान के सामने भी साफ सवाल है। क्या वह सिर्फ सऊदी अरब के लिए "हम आपके साथ हैं" कहेगा, या मक्का में किए गए सामूहिक सुरक्षा के वादे को किसी ठोस रणनीतिक कार्रवाई में बदलेगा? अगर जवाब सिर्फ निंदा है, तो फिर सवाल उठना स्वाभाविक है कि मक्का पैक्ट आखिर रक्षा समझौता है या निंदा का नया मंच?

छत्तीसगढ़ में नीतिगत बदलावों से विकास को मिली नई रफ्तार

धनंजय राठौर

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किए गए बड़े नीतिगत सुधारों और जनकल्याणकारी फैसलों ने राज्य के समग्र विकास को एक नई दिशा दी है। प्रशासनिक पारदर्शिता, सुशासन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में उठाए गए कदमों से हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार के ढाई वर्ष से ज्यादा केवल योजनाओं और घोषणाओं को जमीनी स्तर पर उतारने के ही नहीं, बल्कि कई क्षेत्रों में व्यवस्था बदलने वाले फैसलों के रहे हैं। सरकार ने एक ओर गरीब, किसान और महिलाओं से जुड़ी योजनाओं को तेजी से जमीन पर उतारा, वहीं दूसरी ओर उद्योग, शिक्षा, खनिज, डिजिटल गवर्नेंस और बस्तर के विकास में लंबे समय तक असर डालने वाले नीतिगत सुधार शुरू किए। सरकार बनने के तुरंत बाद सबसे बड़ा फैसला प्रधानमंत्री आवास को लेकर हुआ। पहली कैबिनेट में ही 18 लाख से अधिक जरूरतमंद परिवारों के आवास की स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) में अब तक 24.40 लाख आवास स्वीकृत हो चुके हैं। प्रदेश में औसतन करीब 1,600 आवास प्रतिदिन पूरे किए जा रहे हैं। ढाई वर्षों में पुराने और नए स्वीकृत आवास मिलाकर 11 लाख से अधिक घर लाभार्थियों को सौंपे जा चुके हैं। इसी तरह सरकार ने धान खरीदी को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बड़ी ताकत बनाया। किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान बेचने की सुविधा दी गई। खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 में 25.24 लाख किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया। समर्थन मूल्य और कृषक उन्नति योजना को मिलाकर किसानों को लगभग 43,723 करोड़ रुपए की राशि दी गई। खरीदी व्यवस्था में ऑनलाइन टोकन, बायोमेट्रिक सत्यापन और रियल टाइम मॉनिटरिंग जैसे सुधार किसानों के लिए काफी सुविधाजनक रहे। महिला सशक्तिकरण साय सरकार की प्रमुख पहचान के रूप में उभरा है। महतारी वंदन योजना की 31 किस्तों में लगभग 68 लाख पात्र महिलाओं को 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे खातों में दी जा चुकी है। प्रदेश में 13.85 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। बिहान मिशन में प्रदेश के 31 लाख से अधिक गरीब परिवारों की महिलाएं स्व–सहायता समूहों से जुड़ी हैं। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के लिए संपत्ति की रजिस्ट्री में पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत और स्टाम्प शुल्क में एक प्रतिशत की रियायत दी गई है। बस्तर में बदलाव सरकार की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल है। नक्सलवाद दशकों से बस्तर के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति से नक्सलवाद के विरूद्ध निर्णायक जीत हासिल हुई है। बस्तर में सुरक्षा कार्रवाई के साथ विकास और योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने की नीति अपनाई गई, जिससे बस्तर के लोगों का भरोसा सरकार पर मजबूत हुआ। श्नियद नेल्ला नार 2.0श और श्बस्तर मुन्ने अभियानश के जरिए विकास योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। ओरछा और जगरगुंडा जैसे सुदूर क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी विकसित की जा रही है। बस्तर में लगभग 10 लाख परिवारों की आय बढ़ाने के लिए 4,824 करोड़ रुपए की श्आजीविका उन्नयन योजनाश तैयार की गई है। बस्तर के जंगलों में मौजूद सुरक्षा कैंप अब दूरदराज के गांव वालों के लिए सेवा और विकास के केंद्र बन रहे हैं। दूरस्थ गांवों में सार्वजनिक परिवहन के लिए श्मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवाश शुरू की गई है। बस्तर में सड़क, पुल, मोबाइल नेटवर्क, उचित मूल्य दुकान, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल और आंगनबाड़ी जैसी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत 34 लाख से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल तैयार किया गया है। सरकार का जोर अब बस्तर को संघर्ष की पहचान से निकालकर शिक्षा, पर्यटन, आजीविका और उद्योगों की नई पहचान देने पर है। उद्योग के क्षेत्र में राज्य में निवेश लाने के साथ उद्योगों की स्थापना की प्रक्रियाओं को आसान पर जोर दिया गया। छत्तीसगढ़ ने 450 से अधिक ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधार लागू किए हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस एक्ट 2026 लाने वाला राज्य देश का पहला राज्य बना। जन विश्वास सुधारों के जरिए 279 छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया। वन–क्लिक सिंगल विंडो व्यवस्था, सरल भूमि डायवर्जन और रजिस्ट्री के बाद स्वतरू नामांतरण जैसे सुधार किए गए हैं। नई औद्योगिक विकास नीति 2024–30 के बाद 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनसे 1.72लाख से अधिक संभावित रोजगार के अवसर निर्मित होंगे।

दुनिया छोड़िए भारत अपने पड़ोस में ही बेगाना

हरिशंकर व्यास

सात अक्टूबर को मोदी के शीर्ष सरकारी पद पर रहते हुए 25 साल के मौके को खास बनाने के लिए बहुत कुछ हैं। उससे पहले उनका जन्मदिन भी है। वे 17 सितंबर को 76 साल के होंगे। पिछले साल जब अमृत वर्ष हुआ था तब इस बात की बहुत चर्चा हुई थी कि अब वे 75 साल के हो गए तो क्या पार्टी के अघोषित नियम के मुताबिक उनको रिटायर हो जाना चाहिए? उसी समय संघ प्रमुख मोहन भागवत भी 75 साल के हुए थे। फिर दोनों ने तय किया कि 75 साल का नियम दूसरे लोगों के लिए है, जो उन पर लागू नहीं होगा और दोनों अपने पद पर बने रहे। पिछले साल जुलाई में मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में लगातार 4,078 दिन पद पर रह कर इंदिरा गांधी का 4,077 दिन लगातार पीएम रहने का रिकॉर्ड तोड़ा था। इस साल 10 जून को एक नए रिकॉर्ड की खूब चर्चा हुई। भाजपा ने एक नई श्रेणी बनाई और कहा कि मोदी अब सबसे ज्यादा दिन पद पर रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री हो गए हैं। भाजपा का कहना है कि नेहरू 1947 में प्रधानमंत्री बने तो निर्वाचित नहीं थे। निर्वाचित प्रधानमंत्री वे 1952 में बने थे और लगातार 4,398 दिन पद पर रहे थे। 10 जून 2026 को मोदी के प्रधानमंत्री पद पर 4,399 दिन पूरे हुए और उन्होंने नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मोदी की इन दोनों उपलब्धियों में लगातार और निर्वाचित शब्द महत्वपूर्ण है क्योंकि सबसे ज्यादा समय तक प्रधानमंत्री रहने के मामले में वे अब भी इंदिरा गांधी से तीन साल और नेहरू से पांच साल पीछे हैं। जब भाजपा और केंद्र सरकार इस बात का उत्सव मना रहे थे कि मोदी लगातार सबसे ज्यादा दिन निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने वाले नेता बन गए हैं और नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया है तब हिंदी के एक लेखक ने तंज करते हुए लिखा था कि मोदी जब 79 साल के होंगे तब वे धरती पर महात्मा गांधी से ज्यादा सांस लेने का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। बहरहाल, उनके नाम से अनगिनत रिकॉर्ड दर्ज हो गए हैं। वे लगातार सबसे ज्यादा दिन प्रधानमंत्री रहने वाले निर्वाचित नेता हैं, मुख्यमंत्री रहते पीएम पद के दावेदार घोषित होने और पीएम बनने वाले पहले नेता हैं, दोनों पद मिला कर 25 साल रहने वाले पहले नेता हैं, संसद की सीढ़ियों पर माथा टेकने वाले पहले नेता हैं, संविधान को माथे से लगा कर सेंट्रल हॉल में भाषण देने वाले पहले नेता हैं, नए संसद भवन में बतौर प्रधानमंत्री बोलने वाले पहले नेता हैं। आदि, आदि। सोचें, उन्होंने क्या क्या रिकॉर्ड नहीं बनवाए। नेहरू ने आजादी की आधी रात को भाषण दिया था तो मोदी ने भी आधी रात को संसद का सत्र बुला कर जीएसटी कानून लागू कराया था। श्एक देश, एक कानूनश्च का ढिंढोरा पीटा गया है, जबकि वास्तविकता यह है कि देश अब भी कई तरह के टैक्स से जूझ रहा है। गुजरात का मुख्यमंत्री रहते जीएसटी का विरोध करने वाले मोदी ने जिस धूमधाम से जीएसटी लागू किया वह हैरान करने वाला था। नोटबंदी के तुरंत बाद लागू किए गए जीएसटी ने देश के छोटे व मझोले उद्यम के इकोसिस्टम को तबाह कर दिया। फिर भी नोटबंदी भी उपलब्धि है और जीएसटी भी उपलब्धि है। लोग कहेंगे कि अब मोदीजी नोटबंदी पर नहीं बोलते हैं। उनको बोलने की जरुरत नहीं है। अभी एक भव्य बजट की फिल्म बनवा कर दिखाया गया है कि नोटबंदी का देश को कितना फायदा मिला। एक देश, एक टैक्स की तरह प्रधानमंत्री को एक देश, एक कुछ भी करने का जुनून है। तभी एक देश, एक परीक्षा के लिए एनटीए का गठन किया गया। देश के इतिहास में इतना नाकारा कोई संगठन आज तक नहीं बना है। आए दिन पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, धांधली आदि की खबरें आती हैं। अभ्यर्थियों की संख्या के लिहाज से सबसे बड़ी परीक्षा मेडिकल में दाखिले की नीट यूजी परीक्षा होती है। पिछली तीन परीक्षाओं में से दो में पेपर लीक हो गए और परीक्षा केंद्रों पर धांधली हुई। इसके बाद भी शिक्षा मंत्री का इस्तीफा कराने के लिए छात्रों को 35 दिन दिल्ली में धरना देना पड़ा। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है। भाई साहेब लोगों के आगे पीछे घूमने वाले फिसड्डी लोगों को नियुक्त किया जा रहा है। सारे रिसर्च सेंटर भी ऐसे ही चल रहे हैं। खुद नीति आयोग ने कहा है कि देश के 15 से 29 साल के युवाओं में से 8.7 करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न पढ़ रहे हैं, न किसी कौशल का प्रशिक्षण ले रहे हैं और न कोई काम कर रहे हैं। सोचें, लगभग नौ करोड़ लोग ऐसे हैं, जो कुछ नहीं कर रहे हैं। यह शिक्षा और कौशल विकास योजना की उपलब्धि है! अब एक देश, एक चुनाव की तैयारी चल रही है। अगर प्रचार के लिए उपलब्धियों की बात करें तो उसकी सूची इतनी लंबी है कि कई पन्ने कम पड़ जाएंगे। एक बड़ी उपलब्धि आधार है, जिसका मुख्यमंत्री रहते मोदी ने विरोध किया था। प्रधानमंत्री बने तो आधार को हर चीज के लिए अनिवार्य किया गया। अब पता चला है कि आधार किसी काम का नहीं है। सोचें, एक समय पूरा देश अपने बैंक खाते आधार से जोड़ रहा था, वोटर आईडी आधार से जोड़ रहा था, पैन कार्ड को आधार से जोड़ रहा था और बाद में पता चला कि इनमें से किसी दस्तावेज का कोई खास मतलब नहीं है। देश का नागरिक अदालत में 16 दस्तावेज पेश करके भी अपने को नागरिक नहीं प्रमाणित कर पा रहा है। लाल किले से पहले भाषण में प्रधानमंत्री ने सफाई और शौचालय की बात की। बहुत अच्छी बात थी। लेकिन अब कोई बात नहीं करता है। भारत दुनिया के सबसे गंदे शहरों वाला देश है। दुनिया के 10 सबसे प्रदूषित शहरों की बात होती है तो नौ भारत के होते हैं। लाल किले से पहले भाषण में जैम यानी जन धन खाता, आधार और मोबाइल की बात की और उसके जरिए डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर की योजना चली। क्या उससे देश के लोगों का सशक्तीकरण हुआ? आधार, मोबाइल और जन धन खाता सिर्फ सरकारों की ओर से मिलने वाली मुफ्त की रेवड़ी के ट्रांसफर का माध्यम बना। खाता खुलने से न लोगों का बिजनेस चलने लगा और न नौकरी मिली। लेकिन इसका प्रचार होता है कि डीबीटी के जरिए कितने लाख करोड़ रुपए की बचत हो गई। एक तरफ डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल से लाखों करोड़ रुपए बचाने की बात होती है और दूसरी ओर यूपीआई के इस्तेमाल पर शुल्क लगाने की बात कही जाती है। ऐसे ही विरोधाभासों में सरकार काम कर रही है। उपलब्धियों के प्रचार में गिनाया जाता है कि सरकार ने फसल बीमा योजना लागू किया है, जिस पर कितने लाख करोड़ खर्च हुए हैं। हकीकत यह है कि लाखों की संख्या में किसान अब फसल बीमा योजना से बाहर निकल रहे हैं क्योंकि इससे उनको कोई फायदा नहीं हो रहा है। पूरे देश में 73 लाख किसान इस योजना से बाहर हो गए हैं, जिनमें से 37 लाख अकेले महाराष्ट्र के हैं। आयुष्मान भारत योजना से मुफ्त इलाज की बात हो रही है लेकिन वास्तविकता यह है कि आम लोगों की बजाय निजी अस्पताल और बीमा कंपनियां इसका लाभ ले रही हैं। ये दोनों बीमा योजनाएं विफलता का स्मारक हैं। यह वैसा ही है, जैसे लोगों ने नदी पर पुल बनाने को कहा तो सरकार ने उन्हें नदी पार करने के लिए नाव पकड़ा दी और कहा कि नाव वाले का किराया सरकार देगी। लोगों को अच्छे अस्पताल चाहिए, अच्छे डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ चाहिए। उन्हें सस्ती व गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा चाहिए तो सरकार बीमा योजना पकड़ा रही है। किसानों को फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य या एक निश्चित आय चाहिए तो सरकार बीमा योजना दे रही है। वैसे 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वादा था मोदी का। उलटे किसानों की खेती की लागत कई गुना बढ़ गई।

मानसिक परेशानी में चुप न रहें, बात करें और समय पर मदद लें – प्रो अजय प्रताप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व विकास श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के वेलनेस सेंटर के तत्वावधान में संगोष्ठी भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में शुक्रवार को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक तनाव और संकट की स्थिति में समय पर सहयोग लेने के प्रति जागरूक किया गया। वेलनेस सेंटर के समन्वयक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि मानसिक संकट के पीछे सामाजिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत समेत कई कारण हो सकते हैं। सकारात्मक वातावरण, संवेदनशील संवाद और समय पर सहयोग से संकट की स्थिति को काफी हद तक संभाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि आत्महत्या की रोकथाम केवल किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। वेलनेस सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. अन्नू त्यागी ने मानसिक प्राथमिक सहायता के तीन महत्वपूर्ण चरण 'देखें, सुनें और सहायता करें' बताए। उन्होंने कहा कि 'देखें' का अर्थ संकट के संकेतों को पहचानना, 'सुनें' का अर्थ व्यक्ति की बात को संवेदनशीलता और सहानुभूति से सुनना तथा 'सहायता करें' का अर्थ आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ या मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना है। उन्होंने युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और समय पर परामर्श बेहद महत्वपूर्ण है। किसी परेशान व्यक्ति से बातचीत कर उसे भावनात्मक सहयोग देना उसके लिए महत्वपूर्ण सहारा बन सकता है। जनसंचार विभाग के शिक्षक डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने कहा कि पढ़ाई, सामाजिक अपेक्षाओं, डिजिटल माध्यमों और अन्य मानसिक दबावों का विद्यार्थियों पर असर पड़ सकता है। साइबर अपराध या ऑनलाइन धोखाधड़ी जैसी घटनाओं के बाद भी व्यक्ति तनाव में आ सकता है। ऐसे समय में पीड़ित को दोष देने के बजाय उसकी बात सुनना और सहयोग देना जरूरी है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या रोकथाम से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने समाधान किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा बैठक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व विकास श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के निरंतर सेवा काल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने तथा प्रत्येक नागरिक को विकसित भारत–2047 के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में सेवा संकल्प अभियान का आयोजन 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर, तक किया जाना है। अभियान के अंतर्गत 13 प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उक्त अभियान के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन तथा कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार किए जाने के संबंध में जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में देर सायं तैयारियों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने अभियान के अंतर्गत आयोजित किए जाने वाले 13 प्रमुख कार्यक्रमों की तैयारियों एवं रूपरेखा की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्यक्रमों का समयबद्ध, सुव्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण आयोजन सुनिश्चित किया जाए तथा अभियान के उद्देश्यों को जनसामान्य तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। 17 सितंबर को सेवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान अस्पतालों में फल वितरण, रक्तदान शिविर, विश्वकर्मा जयंती पर टूल किट वितरण तथा प्रमुख विकास परियोजनाओं एवं सार्वजनिक स्थलों पर दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम आयोजित होंगे। नागरिकों को भी अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर दीप जलाकर विकसित भारत–2047 के संकल्प से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा। 17 सितंबर से 07 अक्टूबर तक विद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में ड्राइंग, भाषण एवं डिबेट प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। उत्कृष्ट प्रतिभागियों की विद्यालय, विकासखंड एवं जिला स्तर पर प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी तथा 07 अक्टूबर को राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में उत्कृष्ट प्रविष्टियों को सम्मानित किया जाएगा। 25 सितंबर से 07 अक्टूबर तक प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र पर तीन दिवसीय उत्सव एवं संवाद कार्यक्रम होंगे। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं, आशा दीदी एवं उत्कृष्ट लाभार्थी माताओं का सम्मान किया जाएगा। माताओं को पोषण, स्वास्थ्य एवं महिला कल्याण योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। हेल्दी बेबी प्रतियोगिता, बच्चों को कॉमिक बुक्स, खिलौने, फल–मिठाई एवं अतिरिक्त पोषाहार सामग्री का वितरण भी होगा। सरकारी योजनाओं एवं विकास परियोजनाओं से नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की वास्तविक कहानियों को 60 सेकंड की रील्स के माध्यम से सामने लाया जाएगा। जनप्रतिनिधि, पद्म अवार्डी, खिलाड़ी, सेलिब्रिटी, युवा इंफ्लुएंसर एवं लाभार्थी इसमें सहभागिता करेंगे। उत्कृष्ट रील्स का सोशल मीडिया सहित विभिन्न प्लेटफॉर्म पर व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाएगा। 07 अक्टूबर को सेवा ज्योति कलश यात्रा आयोजित होगी। प्रत्येक जनपद के प्रमुख चौराहे पर सेवा कलश स्थापित किया जाएगा। विभिन्न क्षेत्रों से पैदल, साइकिल एवं बाइक रैलियां पहुंचेंगी। एलईडी स्क्रीन पर प्रधानमंत्री जी के संबोधन का सजीव प्रसारण किया जाएगा तथा स्वच्छता एवं भीड़ प्रबंधन की विशेष व्यवस्था रहेगी। इस अवसर पर विकसित भारत–2047 का सामूहिक संकल्प लिया जाएगा। 17 सितंबर से 07 अक्टूबर तक आयोजित इस यात्रा के माध्यम से पवित्र जल के आदान–प्रदान से प्रधानमंत्री जी की जन्मभूमि एवं कर्मभूमि को जोड़ा जाएगा। विभिन्न टोलियां अलग–अलग मार्गों से यात्रा करेंगी। मार्गवर्ती जनपदों में चौपाल, जनसंवाद, विकास यात्रा की फिल्म एवं योजनाओं का प्रचार एलईडी वाहनों के माध्यम से किया जाएगा। सेवा मेरा योगदान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक नागरिकों को 25 सेवा कार्यों में से किसी एक से जुड़कर समाजसेवा में योगदान के लिए प्रेरित किया जाएगा। रक्तदान, वृक्षारोपण, स्वच्छता, स्वास्थ्य जांच, जल संरक्षण, महिला स्वास्थ्य, शिक्षा सहयोग, साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा एवं गौसेवा सहित विभिन्न गतिविधियां होंगी। प्रत्येक विधानसभा में कम से कम दो स्थलों का कायाकल्प किया जाएगा। नागरिक 25 मिनट श्रमदान कर डल ठींतंज च्वतजंस पर प्रमाण–पत्र प्राप्त कर सकेंगे। सेवा सेतु अभियान विकासखंड एवं नगरीय निकाय स्तर पर 5 से 7 दिवसीय बहुउद्देशीय सेवा शिविर आयोजित होंगे। नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी, आवेदन, पात्रता सत्यापन एवं स्वीकृति की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। स्वास्थ्य मेले, दिव्यांग कल्याण शिविर एवं मतदाता पंजीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सेवा के रंग, राष्ट्र के संग–मानव समूह रंगोली जनकल्याणकारी योजनाओं, राष्ट्रीय प्रतीकों एवं विकसित भारत–2047 की परिकल्पना को दर्शाती भव्य रंगोली तैयार की जाएगी। प्रदेश के प्रमुख स्थल पर 108 मीटर व्यास की मानव समूह रंगोली तथा प्रत्येक जनपद एवं विकासखंड में प्राकृतिक सामग्री से रंगोली बनाई जाएगी। इसमें कलाकारों, महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों एवं विद्यार्थियों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। युवाओं, विद्यार्थियों, स्टार्टअप, प्रोफेशनल एवं इनोवेटर्स को नए समाधान विकसित करने के लिए मंच प्रदान किया जाएगा। प्रदेश के युवाओं की राष्ट्रीय इनोवेशन चौलेंज में भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेजों, आईटीआई एवं पॉलीटेक्निक संस्थानों में ओरिएंटेशन कार्यक्रम होंगे। ऑनलाइन आवेदन, प्रदर्शनी, लाइव डेमो, विशेषज्ञ सत्र एवं पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 17 अक्टूबर को सुशासन एवं सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर ग्राम प्रधान, सरपंच एवं अन्य जनप्रतिनिधियों का राष्ट्रीय समागम आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री जी के सेवा कार्यकाल पर अभिनंदन प्रस्ताव, विकसित भारत–2047 का सामूहिक संकल्प एवं वंदे मातरम् का गायन होगा। जनप्रतिनिधियों के अनुभव साझा किए जाएंगे तथा प्रधानमंत्री जी के संबोधन के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि अभियान के दौरान अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के साथ–साथ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर निर्धारित दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने तथा कार्यक्रमों की सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान केवल कार्यक्रमों के आयोजन तक सीमित न रहे, बल्कि इसके माध्यम से जनसामान्य को विकसित भारत–2047 के राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने का प्रभावी प्रयास किया जाए। अभियान के प्रत्येक कार्यक्रम में सहभागिता, जनसंपर्क एवं जन–जागरूकता को प्राथमिकता दी जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अभियान से संबंधित सभी तैयारियां निर्धारित समय–सीमा में पूर्ण कर ली जाएं तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा शिथिलता न बरती जाए। इस अवसर पर ज्वांइट मजिस्ट्रेट शुभान्सु कटियार, अपर जिलाधिकारी भू राजस्व अजय अम्बष्ठ,परियोजना निदेशक के के पाण्डेय सहित समस्त जिलास्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जौनपुर में ट्रक चालक की पुरानी रंजिश में सड़क पर पीट-पीटकर हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार,एक की तलाश जारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व विकास श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में लाइन बाजार थाना क्षेत्र के तिवारीपुर गांव के पास शुक्रवार सुबह उस समय अफरा तफरी मच गई जब पुरानी रंजिश को लेकर एक ट्रक चालक की सरे रोड लोहे की सरिया और डंडे से पीटकर हत्या कर दी गई। घाट की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर करीब चार घंटे तक जौनपुर–मिर्जापुर मार्ग जाम कर प्रदर्शन किया। मृतक की पहचान तिवारीपुर निवासी विशाल यादव (28) के रूप में हुई है। वह स्वर्गीय जोखू यादव के पुत्र थे। परिजनों के अनुसार विशाल का रामदयालगंज बाजार निवासी एक व्यक्ति से पहले से विवाद चल रहा था। आरोप है कि इसी रंजिश के चलते शुक्रवार सुबह उस पर हमला किया गया, जिसमें उसकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शी संदीप यादव ने पुलिस को बताया कि वह और विशाल एक ही बाइक से सैलून से लौट रहे थे। रामदयालगंज बाजार के पास कुछ लोग पहले से झाड़ियों में छिपे थे। आरोप है कि हमलावरों ने पहले संदीप पर लोहे की रॉड से हमला किया, जिससे वह घायल होकर गिर गया। इसके बाद विशाल पर हमला किया गया। संदीप ने हमले में नीरज यादव, प्रियांशु यादव और मनीष यादव के शामिल होने का आरोप लगाया है। संदीप ने यह भी आरोप लगाया कि वर्ष 2018 में इन्हीं लोगों ने विशाल के भाई विकास यादव के साथ मारपीट की थी, जिसमें उसके दोनों हाथ टूट गए थे। परिजनों का आरोप है कि उस समय पुलिस में शिकायत के बावजूद मुकदमा दर्ज नहीं किया गया था। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। घटना में शामिल दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं। करीब चार घंटे तक जौनपुर–मिर्जापुर मार्ग बाधित रहा। रामदयालगंज बाजार में कई दुकानें बंद रहीं और सड़क पर करीब दो किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग गई। स्थिति को देखते हुए मौके पर दो अपर पुलिस अधीक्षक, तीन क्षेत्राधिकारी, सात थानों की पुलिस और पीएसी बल तैनात किया गया। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में जानकारी देते हुए वारिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ था। मारपीट के दौरान विशाल यादव की मौत हुई है। तहरीर के आधार पर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं। मामले में अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है।

डीएम रविंद्र कुमार मॉदड़ ने जितेन्द्र बच्चन को किया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व विकास श्रीवास्तव

गाजियाबाद। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ ने कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए जिले के वरिष्ठ पत्रकार एवं समाज चिंतक डॉ. जितेन्द्र बच्चन को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। इससे पहले उन्होंने समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. बच्चन की कर्तव्य निष्ठा और निस्वार्थ भाव से समाज के प्रति लगन व समर्पण की सराहना करते हुए उनका अभिनंदन किया। शुक्रवार, 11 सितंबर को आयोजित कार्यक्रम में डीएम मॉदड़ के अलावा मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) कुमार सौरभ, जिला सूचना अधिकारी योगेंद्र सिंह एवं जिला एनजीओ कोर्डिनेटर तनुज गंभीर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अलग–अलग क्षेत्रों में कार्य करने वाली कुल 41 हस्तियों को सम्मानित किया गया, जिनमें 35 एनजीओ और छरूह सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स शामिल हैं। जितेन्द्र बच्चन ने जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ का आभार प्रकट करते हुए कहा है कि वह समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तीकरण और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के प्रति सामाजिक जागरूकता लाने के क्षेत्र में निरंतर सेवा का प्रयास कर रहे हैं। इस सफर में अब तक अनेक सम्मान मिले हैं, लेकिन आज जिला प्रशासन द्वारा मिला यह सम्मान मेरे लिए बेहद भावुक और प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा है, "इस सम्मान के लिए जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़, मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) कुमार सौरभ, जिला सूचना अधिकारी योगेंद्र सिंह एवं जिला एनजीओ कोर्डिनेटर तनुज गंभीर का हृदय से आभार। आपका यह प्रोत्साहन (सम्मान) हमारे संकल्प 'विकसित समाज सशक्त भारत' को और मजबूत करता है और आगे भी समाज के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देता है।" कार्यक्रम को डीएम और सीडीओ गाजियाबाद ने संबोधित करते हुए 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' को सफल बनाने के लिए भी कहा। अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के निरंतर सेवा काल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाना तथा प्रत्येक नागरिक को विकसित भारत–2047 के सामूहिक संकल्प से जोड़ना है। इस अवसर पर प्रशासन की योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने, पौधरोपण, स्वीप, एसआईआर, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे अनेक कार्यों को करने के लिए कई गैर सरकारी संगठनों के पदाधिकारी और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स उपस्थित रहे।

नाली, सड़क, जलभराव और पार्कों की बदहाली को लेकर सपा महिला सभा ने किया प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व विकास श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में समाजवादी पार्टी महिला सभा की जिलाध्यक्ष उषा जायसवाल के नेतृत्व में शुक्रवार को दर्जनों महिलाओं ने नगर पालिका परिषद क्षेत्र की बदहाल व्यवस्थाओं के खिलाफ प्रदर्शन किया। महिलाओं ने शहर में नाली, पेयजल, सड़क, जलभराव, साफ–सफाई और पार्कों की खराब स्थिति का मुद्दा उठाते हुए जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की। जिलाध्यक्ष उषा जायसवाल ने कहा कि सद्भावना पुल के पास गोपीघाट पर महिलाओं के लिए बनाए गए चेंजिंग रूम और शौचालय की स्थिति बेहद खराब है। उन्होंने आरोप लगाया कि चेंजिंग रूम में लोग शौचालय के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। घाट पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने से असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है। शौचालय अक्सर बंद रहता है और वहां लाइट व पानी की भी समुचित व्यवस्था नहीं है। उन्होंने बताया कि नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी से जानकारी लेने पर पता चला कि नमामि गंगे योजना के तहत निर्माण कराने वाली संस्था ने अभी तक इस परिसर को नगर पालिका को हस्तांतरित नहीं किया है। सपा महिला सभा की जिलाध्यक्ष ने शहर के पार्कों की बदहाली का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जिला जेल के पास स्थित कवि श्रीपाल छेम पार्क और पॉलिटेक्निक स्थित लोहिया पार्क में बड़ी–बड़ी घास और सरपत उग आए हैं। कई स्थानों पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था खराब है और कुछ बिजली के खंभे गिरे पड़े हैं। पार्कों में पेयजल और बैठने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि हल्की बारिश में ही शहर की कई सड़कों पर जलभराव हो जाता है। नालियां टूटी होने के साथ ही गंदगी से पटी हैं और मोहल्लों में जगह–जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। कई गलियों में स्ट्रीट लाइट के बल्ब खराब हैं या जलते नहीं हैं। इन अव्यवस्थाओं से संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने नगर पालिका क्षेत्र की समस्याओं का तत्काल समाधान कराने और जिम्मेदार अधिकारियों से जवाबदेही तय करने की मांग की।

मछलीशहर में 13 सितंबर को जुटेंगे होम्योपैथिक चिकित्सक, प्रादेशिक सम्मेलन में होगा पदाधिकारियों का चुनाव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व विकास श्रीवास्तव

जौनपुर। आइडियल होम्योपैथिक वेलफेयर आर्गेनाइजेशन का प्रादेशिक सम्मेलन आगामी 13 सितंबर को मछलीशहर स्थित होटल युवराज में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर संगठन की जौनपुर शाखा की बैठक वाजिदपुर स्थित राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रामनारायण सिंह के आवास पर हुई।

बैठक में सम्मेलन की रूपरेखा और कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रामनारायण सिंह ने बताया कि प्रादेशिक सम्मेलन दो सत्रों में संपन्न होगा। सम्मेलन का आयोजन संगठन के प्रदेश महासचिव डॉ. आर.पी. यादव एवं मछलीशहर शाखा के सहयोग से किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि सम्मेलन का पहला सत्र वैज्ञानिक सत्र होगा। इसमें विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचने वाले होम्योपैथिक चिकित्सक अपने चिकित्सकीय अनुभव, उपचार संबंधी जानकारी और कार्यक्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा करेंगे। इससे चिकित्सकों को एक–दूसरे के अनुभवों से सीखने का अवसर मिलेगा।

सम्मेलन के दूसरे सत्र में संगठन के आगामी द्विवार्षिक कार्यकाल 2026–27 एवं 2027–28 के लिए प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों का चुनाव कराया जाएगा। संगठन की आगामी गतिविधियों और कार्ययोजना को लेकर भी सम्मेलन में चर्चा होने की संभावना है।

बैठक में डॉ. सत्येंद्र सिंह, डॉ. शैलेंद्र सिंह, डॉ. आर.पी. यादव, डॉ. संजय यादव, डॉ. गौरव शर्मा, डॉ. हर्षित सिंह, डॉ. आशुतोष सिंह और डॉ. तुषार सिंह सहित अन्य चिकित्सक मौजूद रहे। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. जे.एन. सिंह रघुवंशी के शामिल होने की जानकारी दी गई।

संक्षिप्त खबरें

सैरपुर में 22 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

लखनऊ, (संवाददाता)। थाना सैरपुर क्षेत्र में बुधवार सुबह एक 22 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही सैरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच–पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, आत्महत्या के कारणों का अभी स्पष्ट रूप से पता नहीं चल सका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मौके से मिले अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।पुलिस के मुताबिक 9 सितंबर 2026 को सुबह करीब 8 बजे दूरभाष के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि सैरपुर थाना क्षेत्र में एक युवक ने फांसी लगा ली है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। जांच के दौरान मृतक की पहचान अजीत यादव पुत्र स्वर्गीय भागीरथी, उम्र करीब 22 वर्ष, के रूप में हुई।अजीत यादव वर्तमान में कमलाबाग बड़ौली स्थित एक निजी मकान में अपनी माता और बहन के साथ रहता था। उसका मूल निवास ग्राम तरहिया, थाना सैरपुर, लखनऊ बताया गया है। पुलिस के अनुसार वह निजी नौकरी करता था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि युवक ने मकान के कमरे की छत में लगे पंखे के कुंडे से कपड़े का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए थे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू की।पुलिस ने पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दुबग्गा में 22 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

लखनऊ, (संवाददाता)।थाना दुबग्गा क्षेत्र में एक 22 वर्षीय युवक ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना डायल 112 के माध्यम से पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही दुबग्गा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई शुरू की।पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान निखिल पुत्र अमरीश गुप्ता, निवासी मोहन विहार कॉलोनी, बेगरिया, थाना दुबग्गा, लखनऊ, उम्र करीब 22 वर्ष के रूप में हुई है। बताया गया कि निखिल ने घर में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिजन उसे उपचार के लिए एरा हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलने पर दुबग्गा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक जांच–पड़ताल की। पुलिस द्वारा पंचायतनामा की कार्रवाई की जा रही है तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने की प्रक्रिया प्रचलित है।पुलिस के मुताबिक युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

राजाजीपुरम के मंदिर में चोरी का खुलासा, मुकुट और नकदी के साथ युवक गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। थाना तालकटोरा पुलिस ने राजाजीपुरम सेक्टर–12 स्थित घण्टेश्वर शनिदेव मां दुर्गा मंदिर में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से मंदिर की मूर्ति पर लगा सफेद धातु का मुकुट, 1,270 रुपये नकद तथा चोरी की घटना में प्रयुक्त साइकिल बरामद की है। अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।पुलिस के अनुसार, 4 सितंबर 2026 को वादी मनीष पाण्डेय ने थाना तालकटोरा में प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि घण्टेश्वर शनिदेव मां दुर्गा मंदिर के परिसर के लोहे के गेट एवं दानपात्र का ताला तोड़कर करीब 5,000 रुपये चोरी कर लिए गए हैं। शिकायत के आधार पर थाना तालकटोरा में मुकदमा संख्या 186ध्2026, धारा 305(ए)331(4) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत कर विवेचना उपनिरीक्षक शुभम सिंह को सौंपी गई थी।

'ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर–ट्राली सवार दो मजदूरों की हुई मौत'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' थाना क्षेत्र के अंतर्गत गंगा एक्सप्रेसवे पर गुरुवार दोपहर भीषण सड़क हादसा हो गया। पीछे से आए ट्रक ने ट्रैक्टर–ट्राली में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ट्रैक्टर–ट्राली सवार दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। पाली कस्बे के मोहल्ला काजी सराय निवासी मजदूर ट्रैक्टर–ट्राली पर इंटरलॉकिंग ईंट लादकर गुरुवार सुबह शाहजहांपुर जिले के जलालाबाद गए थे। वहां ईंट उतारने के बाद वापस लौटते समय गंगा एक्सप्रेसवे पर पोल संख्या 280. 8 के पास पीछे से आ रहे ट्रक ने ट्रैक्टर–ट्राली में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ट्रैक्टर सवार अनुज कश्यप (30) पुत्र स्वर्गीय अशोक कश्यप, नन्हें भैया कश्यप (22) पुत्र स्वर्गीय बाबूराम और चालक पवन पुत्र केशराम गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से घायलों को सवायजपुर सीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने अनुज और नन्हें भैया को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर घायल पवन को पाली भेजा गया था, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया गया कि हादसे के दौरान पवन ट्रैक्टर से नीचे कूद गया था, जिसके बाद ट्रैक्टर पलटकर उसकी टांग के ऊपर जा गिरा और टांग बुरी तरह कुचल गई।मोहल्ले के सभासद अजीत गुप्ता ने बताया कि दोनों मृतक काजी सराय मोहल्ले के रहने वाले थे। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए। मौत की खबर सुनकर परिवारों में कोहराम मच गया। मृतक नन्हें भैया के चचेरे भाई अर्जुन कश्यप ने बताया कि दोनों मजदूर पाली से इंटरलॉकिंग ईंट लेकर जलालाबाद गए थे और वापस लौटते समय हादसे का शिकार हो गए। नन्हें भैया अपनी मां के इकलौते बेटे थे। उनके पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। वहीं अनुज तीन भाइयों में सबसे छोटे थे और अविवाहित थे।सवायजपुर थानाध्यक्ष प्रिंस कुमार ने बताया कि दोनों शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

बीआरडी में 15 वर्षीय एथलीट की जटिल सर्जरी, फ्रैक्चर के साथ दोनों लिगामेंट की मरम्मत

गोरखपुर, (संवाददाता)। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को 15 वर्षीय एथलीट की दुर्लभ और जटिल सर्जरी की गई। सड़क हादसे में किशोर के दाहिने पैर की हड्डी टूटने के साथ घुटने के दोनों प्रमुख लिगामेंट (एसीएल और पीसीएल) भी फट गए थे। डॉक्टरों ने सर्जरी के दौरान फ्रैक्चर ठीक करने के साथ दोनों लिगामेंट की मरम्मत की। हड्डीरोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन प्रधान ने बताया कि किशोर के दाहिने पैर में घुटने के पास फ्रैक्चर हुआ था। साथ ही जांघ और पैर की हड्डियों को जोड़ने वाले एसीएल और पीसीएल लिगामेंट क्षतिग्रस्त थे। किशोर एथलेटिक्स खिलाड़ी है और उसकी हड्डियों की वृद्धि अभी जारी है। ऐसे में ऑपरेशन के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि भविष्य में पैर की लंबाई या बनावट पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। डॉ. प्रधान के अनुसार, इस तरह की सर्जरी सामान्यतः वयस्क मरीजों में की जाती है। बढ़ती उम्र के किशोर में सर्जरी करना चुनौतीपूर्ण था। डॉक्टरों ने ग्रोथ प्लेट को नुकसान से बचाने के साथ भविष्य में पैर की सामान्य वृद्धि सुनिश्चित करने की रणनीति अपनाई। घुटने में अत्यधिक सूजन और जकड़न यानी आथ्रीफाइब्रोसिस के खतरे को कम करने के लिए ऑपरेशन को दो चरणों में विभाजित किया गया। पहले चरण में फ्रैक्चर का फिक्सेशन और पीसीएल की मरम्मत की गई। दूसरे चरण में एसीएल रिकंस्ट्रक्शन के साथ जोड़ के कैप्सूल की सफाई और मरम्मत की गई। ऑर्थोपेडिक्स विभाग की टीम में डॉ. पवन प्रधान के साथ डॉ. सुरेंद्र और डॉ. नवीन शामिल रहे। वहीं, डॉ. अभिज्ञाषा के नेतृत्व में एनेस्थीसिया टीम ने सर्जरी के दौरान मरीज को बेहोश रखने की जिम्मेदारी संभाली। डॉक्टरों के अनुसार, किशोर की उम्र और खिलाड़ी होने के कारण ऑपरेशन में भविष्य की शारीरिक गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए उपचार किया गया।

संक्षिप्त खबरें

स्वतंत्रता सेनानी का फर्जी प्रमाणपत्र बनाकर दाखिला दिलाने वाला आरोपी गिरफ्तार

भदोही, (संवाददाता)। भदोही जिले की पुलिस ने बुधवार को फर्जी स्वतंत्रता सेनानी सर्टिफिकेट बनाकर चिकित्सा स्नातक (एमबीबीएस) में दाखिला कराने वाले गिरोह के सदस्य नितीश को गिरफ्तार किया। नितीश कुमार दुबे मिर्जापुर के जिगना थाना क्षेत्र के बरीदुबे गांव निवासी है। एएसपी शुभम अग्रवाल ने बताया कि ज्ञानपुर थाने में 20 सितंबर 2025 को शाहिद अली ने शिकायत दर्ज कराई थी। बताया था कि राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में एमबीबीएस में स्वतंत्रता सेनानी आश्रित श्रेणी के फर्जी प्रमाण पत्र के आधार प्रवेश दिया जा रहा है। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। जांच के दौरान अंतरराज्यीय ठग गिरोह के सदस्य शुभम सिंह को पहले गिरफ्तार किया गया था। बाद में गिरोह के सरगना संजय दुबे को भी पकड़ा गया। जांच के दौरान मिर्जापुर के जिगना, बरीदुबे निवासी नितीश कुमार दुबे का नाम सामने आया। जिसके बाद पुलिस ने उसे जिगना, मिर्जापुर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में नितीश कुमार दुबे ने बताया कि उनका गिरोह फर्जी सर्टिफिकेट बनाता है। इन सर्टिफिकेट का उपयोग एमबीबीएस दाखिले और सरकारी नौकरियों में भर्ती के लिए किया जाता है। पुलिस भर्ती 2023 में भी फर्जी सर्टिफिकेट का इस्तेमाल हुआ था। इस मामले में भदोही पुलिस ने गिरोह के आठ सदस्यों को गिरफ्तार कर चुकी है।

चार दिनों में डेढ़ मीटर घटा गंगा का जलस्तर

भदोही, (संवाददाता)। गंगा के जलस्तर में लगातार कमी आ रही है। सोमवार को भी पानी घटाव की तरफ रहा। जलस्तर में कमी होने से बाढ़ का पानी तेजी से घाटों के नीचे खिसक रहा है। केंद्रीय जल आयोग के मीटर गेज पर सोमवार को जलस्तर 76.850 दर्ज किया गया। सीजन का उच्चतम जलस्तर 78.390 मीटर तक पहुंचा था। बीते चार दिनों में डेढ़ मीटर की कमी हो चुकी है। 24 घंटे में 33 सेमी की कमी हुई है। गंगा के घटते जलस्तर से तटवर्ती लोगों ने राहत की सांस ली। अगस्त माह में लगातार हो रही बारिश के कारण जलस्तर बढ़ाव की तरफ रहा, लेकिन इस साल चेतावनी बिंदु 80.200 मीटर तक पानी नहीं पहुंच सका। 2025 में जलस्तर चेतावनी बिंदु तक पहुंचने के बाद कम हुआ था।

बंटवारा विवाद में जांच करने पहुंची राजस्व विभाग की टीम

भदोही, (संवाददाता)। नगर के मोहल्ला पीरखांपुर में सोमवार को संपत्ति के बंटवारे के विवाद के मामले में राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर छानबीन की। टीम ने स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक दस्तावेज और साक्ष्य जुटाए। पक्षों को एसडीएम के समक्ष तलब किया गया है। मामला जफर इकबाल, जफर हसनैन और स्व. अब्दुल कलाम के परिवार से जुड़ी संपत्ति के बंटवारे का है। संयुक्त संपत्ति में से अपने हिस्से की जायदाद की निशानदेही के लिए जफर हसनैन ने भदोही तहसील दिवस पर एसडीएम चंद्रकांत त्रिपाठी को प्रार्थना पत्र दिया था। मोहल्ले में पहुंची राजस्व टीम में नायब तहसीलदार, कानूनगो, लेखपाल और राजस्व निरीक्षक शामिल रहे।

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर मार डाला, यहां फेंकी लाश, नदी पर इसलिए लटकाया ई-रिक्शा

गोरखपुर, (संवाददाता)। सिद्धार्थनगर में ई–रिक्शा चालक हरिश्चंद्र हत्याकांड का पुलिस ने मंगलवार को पर्दाफाश कर दिया। पुलिस के अनुसार पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को रास्ते से हटाने की साजिश रची थी। पुलिस ने पत्नी माया देवी, उसके प्रेमी नियाज अहमद, इरशाद और अब्दुल्ला को मामले में नामजद कर गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है। एसपी डॉ. अभिषेक महाजन ने मंगलवार को पुलिस लाइंस सभागार में मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 30 अगस्त की रात मुंहचुरवा घाट, बूढ़ी राप्ती नदी रामनगर के पास हरिश्चंद्र पुत्र रामगुलाम निवासी कपियवा थाना इटवा की हत्या कर शव नदी में फेंक दिया गया था। ई–रिक्शा को भी दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया गया था। अज्ञात के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर एसओजी और ढेबरुआ पुलिस की संयुक्त टीम मामले की जांच कर रही थी। पुलिस के अनुसार मंगलवार को मुखबिर से सूचना मिली कि हत्याकांड में शामिल इरशाद अपने दो साथियों के साथ दुधवनिया बुजुर्ग नहर के रास्ते धनौरा की ओर जाने वाला है। टीम ने दुधवनिया बुजुर्ग पुल से नहर की ओर जाने वाले मार्ग पर घेराबंदी कर तीन संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने हत्या की साजिश का खुलासा किया। आरोपियों की निशानदेही पर मुंहचुरवा घाट से हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू, छह मोबाइल फोन, दो आधार कार्ड, एक पैन कार्ड और एयर इंडिया का एक टिकट बरामद हुआ है।

राजघाट पर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की शुरू हुई जांच

गोरखपुर, (संवाददाता)। राप्ती नदी के राजघाट स्थित गुरु गोरक्षनाथ घाट पर गुंबद का छज्जा गिरने की घटना की जांच मंगलवार को शुरू हो गई। टीम को इलाज में लापरवाही के साथ ही निर्माण कार्य की गुणवत्ता की भी जांच करनी है इसलिए अब टीम में लोक निर्माण विभाग के अभियंता को भी शामिल किया गया है। टीम के सदस्यों ने राजघाट जाकर मुख्य प्रवेश द्वार और गुंबद की जांच–पड़ताल की। रविवार को गुरु गोरक्षनाथ घाट पर गुंबद का छज्जा गिरने से मलबे में दबकर दो अधिवक्ताओं की मौत हो गई थे। इसके बाद नाराज अधिवक्ताओं ने इलाज में लापरवाही के साथ ही घाट पर निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की थी। इसके बाद डीएम दीपक मीणा ने तीन सदस्यीय टीम गठित कर दी थी। टीम में एडीएम सिटी गजेंद्र कुमार, एसपी सिटी निमिष पाटील और बीआरडी मेडिकल कॉलेज स्थित नेहरू चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ बीएन शुक्ल शामिल हैं। लेकिन यह टीम सिर्फ इलाज में लापरवाही और एंबुलेंस के न पहुंचने के कारणों की जांच करने वाली थी। बाद में जांच का दायरा बढ़ाकर घाट पर हुए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को भी शामिल कर लिया गया। डीएम दीपक मीणा ने बताया कि तकनीकी जांच के लिए लोक निर्माण विभाग के अभियंता को टीम में शामिल किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

इस साल फिर घटे अभ्यर्थी, 2026 से एक हजार कम

वाराणसी, (संवाददाता)। फरवरी में संभावित बोर्ड परीक्षा में बैठने वाले हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के छात्र–छात्राओं की तस्वीर करीब–करीब साफ हो गई है। कुल 52 हजार 889 छात्र–छात्राओं ने आवेदन किया हैं। 10 सितंबर तक फार्म भरने की अंतिम तिथि है, हालांकि अब तक सभी ने आवेदन कर लिया है। छात्र–छात्राओं की संख्या में लगातार कमी आ रही है। जिले में 38 राजकीय, 25 वित्तपोषित समेत कुल 193 माध्यमिक एवं इंटर कॉलेज संचालित होते हैं। हर साल माध्यमिक शिक्षा परिषद की तरफ से फरवरी–मार्च में बोर्ड परीक्षा कराई जाती है। 2025–26 सत्र की परीक्षा फरवरी 2026 में होने के बाद अप्रैल में रिजल्ट घोषित किया गया। 2026–27 में होने वाली बोर्ड परीक्षा के लिए जुलाई से ही स्कूलों में प्रवेश शुरू हो गया। नौवीं और 11वीं में प्रवेश लेने वाले छात्र–छात्राओं का अगस्त और सितंबर में परीक्षा फॉर्म जमा कर उनका विवरण परिषद की वेबसाइट पर अपलोड किया गया। पहले 25 अगस्त तक ही आवेदन लिया गया था। बाद में 10 सितंबर तक इसके लिए अंतिम तिथि तय की गई है। हाईस्कूल में संस्थागत 28122 और प्राइवेट में 29, इंटरमीडिएट में 24 हजार 248 और व्यक्तिगत में 490 छात्र–छात्राओं ने फार्म भरा है। बताते चलें कि परीक्षार्थियों की संख्या लगातार कम हो रही है। 2024 में जहां 57 हजार विद्यार्थी बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए, वहीं 2025 में 55 हजार 207 रहे। 2026 में यह संख्या घटकर 54 हजार 879 हो गई। 2027 की परीक्षा के लिए 52 हजार 889 विद्यार्थियों ने फार्म भरा है। पिछले साल से करीब एक हजार कम है। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा के लिए 52 हजार 889 छात्र–छात्राओं ने फार्म भरा है। करीब–करीब उतने ही विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। इसमें 10 से 15 छात्र–छात्राओं की संख्या घट और बढ़ सकती है।

ज्ञानपुर रोड स्टेशन पर खुला पूछताछ केंद्र, मिलेगी ट्रेनों की सटीक जानकारी

भदोही, (संवाददाता)। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी–प्रयागराज रेलखंड पर स्थित ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन पर पहुंचने वाले यात्रियों को अब ट्रेनों के आगमन से लेकर किसी भी जानकारी को लेने के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। अब उन्हें सही जानकारी उपलब्ध होगी। स्टेशन पर पूछताछ केंद्र खुलने से यात्रियों को बड़ी सहूलियत मिल गई है। जिले के प्रमुख व्यावसायिक नगर गोपीगंज के समीप स्थित ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन पर लगभग सभी ट्रेनों का ठहराव होता है। स्टेशन से प्रतिदिन 25 से 30 ट्रेनों में यात्रियों का विभिन्न महानगरों के लिए आवागमन होता है। बावजूद इसके अभी तक स्टेशन पर पूछताछ केंद्र न होने से यात्रियों को किसी भी जानकारी के लिए इधर उधर भटकना पड़ता था। स्टेशन आने वाले लोगों को काफी असुविधा होती थी। रेलवे स्टेशन पर लंबे समय से पूछताछ केंद्र (सहयोग केंद्र) खोलने की मांग की जा रही थी। विभाग द्वारा इस मांग को पूरी करते हुए स्वीकृति प्रदान कर दी गई। रविवार को पुराने टिकट काउंटर के कक्ष में इसकी स्थापना कर केंद्र चालू कर दिया गया। पूछताछ केंद्र शुरू होने से यात्रियों को काफी सुविधा मिल गई है। पूर्वोत्तर रेलवे के पीआरओ अशोक कुमार ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए केंद्र बनाया गया है।

जलस्तर में बढ़ोतरी शुरू, 12 घंटे में आठ सेंटीमीटर बढ़ा चिंता में लोग

वाराणसी, (संवाददाता)। गंगा का जलस्तर से बढ़ने लगा है। सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक जलस्तर में 8 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। केंद्रीय जल आयोग ने पहले ही जलस्तर में बढ़ोतरी के आसार जताए थे। बुधवार की शाम से जलस्तर में हो रही बढ़ोतरी ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। गंगा के जलस्तर में बीते एक सप्ताह से लगातार गिरावट देखने को मिल रही थी। जलस्तर बुधवार की सुबह तक घट तक 69.15 मीटर पर पहुंच गया था। बुधवार की शाम से ही जलस्तर में बढ़ोतरी देखने को मिली। गंगा के बढ़ते पानी का असर सिर्फ नदी किनारे बसे इलाकों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी सहायक नदी वरुणा के किनारे बसी दर्जनों बस्तियां और रिहायशी इलाके भी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी सहायक नदी वरुणा के किनारे बसी दर्जनों बस्तियां और रिहायशी इलाके भी इसकी चपेट में आएंगे। गंगा किनारे के तटीय इलाके, पक्के घाट, गलियां और घाटों को आपस में जोड़ने वाले रास्ते भी बाढ़ के पानी में समा चुके हैं। सबसे ज्यादा आबादी गंगा की सहायक नदी वरुणा के किनारे बसी हुई है। यही वजह है कि गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी का असर वरुणा किनारे बसे इलाकों में सबसे अधिक है। जिला प्रशासन की ओर से जारी आंकड़े के अनुसार अभी तक 16 गांव और 24 मोहल्ले बाढ़ से प्रभावित हैं। इसमें 877 परिवार और 4082 लोग जद में हैं। एनडीआरएफ की दो टीमें लगातार राहत कार्य में जुटी हैं।

अब ऑनलाइन भी होगी बीएचयू गेस्ट हाउस की बुकिंग, वेबसाइट पर दिखेंगे खाली कमरें

वाराणसी, (संवाददाता)। बीएचयू के गेस्ट हाउस की बुकिंग अब ऑनलाइन भी की जा सकेगी। आधिकारिक वेबसाइट और नमस्ते का शुभारंभ किया। कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने एलडी गेस्ट हाउस में इस सुविधा की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि इससे सभी प्रोफेसर और नॉन टीचिंग स्टाफ अपना अनुरोध बीएचयू को भेज सकेंगे। गेस्ट हाउस में कमरों की उपलब्धता, बुकिंग की पुष्टि, श्रेणी के अनुसार कमरों का आवंटन और अतिथियों के आगमन व प्रस्थान के साथ ही वैकेंट कमरों पर निगरानी रखी जा सकेगी। गेस्ट हाउस के पूरी तरह भर जाने की स्थिति में बुकिंग अनुरोध दूसरे गेस्ट हाउस को भेज दिया जाएगा। एलडी गेस्ट हाउस के मुख्य संरक्षक प्रो. राकेश सिंह और प्रो. जीपी सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की आवश्यकताओं के अनुरूप इस प्रणाली को आगे और विकसित किया जाएगा। प्रो. टीवी प्रभाकर के साथ उनके सहयोगी अंशुमान कुमार शर्मा, देव अंगिरस, शालिनी यादव एवं विकास सिंह ने कार्यप्रणाली के बारे में जानकारियां दीं।

बीएचयू एप से गेस्ट हाउस में रूम बुक किए जा सकेंगे। बीएचयू ने बुधवार को गेस्ट हाउस बुकिंग और मैनेजमेंट के लिए 'अतिथि' प्रणाली लोगों को बेहतर सुविधा मिलेगी। बीएचयू के आईटी सलाहकार प्रो. टीवी प्रभाकर की ओर से अतिथि प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है।

जिलाधिकारी प्रयागराज ने भरा नेत्रदान संकल्प पत्र

प्रयागराज, (संवाददाता)। जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा ने आज नेत्रदान संकल्प पत्र भर कर लोगों के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। क्षेत्रीय नेत्र संस्थान, एम.डी. नेत्र चिकित्सालय में 25 अगस्त से 8 सितंबर, 2026 तक 41वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के आयोजन के क्रम में नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने नेत्रदान को मानवता की महान सेवा बताते हुए लोगों से मृत्यु के बाद अपने नेत्रदान का संकल्प लेने तथा समाज में इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने स्वयं नेत्रदान का संकल्प पत्र भरकर समाज के सामने एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। साथ ही जिलाधिकारी की धर्मपत्नी डॉ0 अंकिता राज ने भी नेत्रदान का संकल्प पत्र भरने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि नेत्रदान का एक निर्णय किसी दृष्टिहीन व्यक्ति के जीवन में प्रकाश ला सकता है। 41वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के दौरान क्षेत्रीय नेत्र संस्थान द्वारा व्यापक जनजागरूकता के उद्देश्य से चिकित्सकों की टीमों को आसपास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भेजा गया। इस जागरूकता अभियान के दौरान लोगों को मृत्यु के बाद नेत्रदान की प्रक्रिया, कॉर्नियल अंधत्व में इसकी उपयोगिता तथा समय पर सूचना देने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्रो. एस.पी. सिंह, निदेशक प्रो. संतोष कुमार, प्रो. जागृति राणा, आई बैंक प्रभारी डॉ. आरती सिंह तथा सीएमएस डॉ. एस.एस. सिन्हा सहित चिकित्सक, ऑप्टोमेट्रिस्ट, जूनियर रेजिडेंट एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गंगा-यमुना के जलस्तर में मामूली गिरावट दर्ज

प्रयागराज, (संवाददाता)। जिले में गंगा और यमुना के जलस्तर में पिछले चार घंटे के दौरान मामूली गिरावट दर्ज की गई है। मंगलवार शाम 4 बजे तक यमुना का जलस्तर नैनी में 81.42 मीटर, गंगा का जलस्तर फाफामऊरू 81.83 मीटर, छतनाग में 80.88 मीटर, और एसटीपी बक्शी बांधारू 81.56 मीटर, दर्ज किया गया है। खतरे का निशान 84.734 मीटर है। संगम स्थित श्री बड़े हनुमान मंदिर में बाढ़ का पानी अभी भी भरा हुआ है। लगातार 10वें दिन श्री लेटे हनुमान जी शयन अवस्था में हैं और मंदिर का गर्भगृह अब भी जलमग्न है। हालांकि, गंगा–यमुना का जलस्तर अब धीरे–धीरे नीचे उतरने लगा है मंगलवार सुबह 8 बजे जारी रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नदियों के जलस्तर में पिछले 24 घंटे में गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि कमी की रफ्तार अलग–अलग स्थानों पर अलग है। फिलहाल दोनों नदियां खतरे के निशान से काफी नीचे बह रही हैं और जिले के सभी तटबंधा सुरक्षित हैं। गंगा–यमुना का जलस्तर घटने के बावजूद प्रयागराज के कुछ प्रमुख इलाके और धार्मिक स्थल अभी भी पानी में डूबे हुए हैं। रिवर फ्रंट रोड, नागवासुकी मंदिर, दारागंज घाट और श्री लेटे हनुमान मंदिर में अभी भी बाढ़ का पानी मौजूद है। नदियों का जलस्तर धीरे–धीरे कम हो रहा है, लेकिन कई जगह यह अभी भी 80 मीटर से ऊपर बना हुआ है।

आप कार्यकर्ताओं ने मनाया अरविंद केजरीवाल का जन्मदिन

प्रयागराज, (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के जन्मदिवस के अवसर पर आम आदमी पार्टी प्रयागराज के कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय में केक काट कर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने उनके दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं सफल सार्वजनिक जीवन की कामना करते हुए जनहित की राजनीति को और मजबूती देने का संकल्प लिया। आम आदमी पार्टी प्रयागराज के जिला अध्यक्ष सर्वेश यादव ने कहा कि अरविंद केजरीवाल जी ने देश की राजनीति में आम आदमी के मुद्दों को मजबूती से उठाने का काम किया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी और जनसुविधाओं जैसे मुद्दों को राजनीति के केंद्र में लाने का उनका प्रयास देशभर के कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायी है। सर्वेश यादव ने कहा कि आज देश में लोकतंत्र, जनहित और जवाबदेह राजनीति को मजबूत करने की आवश्यकता है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।